अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का उद्घाटन समारोह

कुरीतियों को दूर कर राष्ट्र के उत्थान के लिए कार्य करने का किया आह्वान

शूरवीरों की गौरव गाथाओं से जुड़ी संस्कृति है क्षत्रिय – राज्यपाल, राजस्थान

जयपुर, 21 अगस्त। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा है कि क्षत्रिय समाज नहीं बल्कि हमारे देश को आक्रांताओं से विजय दिलाने वाले शूरवीरों की गौरव गाथाओं से जुड़ी सनातन संस्कृति है। उन्होंने कहा कि भारत पर जबकृजब विदेशी हमले हुए और साम्राज्य की स्थापना के लिए आक्रमण किए गए तब जिन रणबांकुरों ने संघर्ष कर देश का नाम रोशन कियाकृउनमें प्रायः सभी क्षत्रिय ही रहे हैं।

राज्यपाल श्री मिश्र ने प्राचीन इतिहास और पौराणिक ग्रंथों में आए ष्क्षत्रियष् शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि रक्षा का जो दायित्व ले, वही क्षत्रिय है। उन्होंने क्षत्रियों की वीरता, साहस, त्याग, शरणागत की रक्षा आदि गुणों की चर्चा करते हुए कहा कि क्षत्रिय शब्द गहरे अर्थ लिए है। उन्होंने कहा कि अपने हक और अधिकारों की लड़ाई तो सभी लड़ते हैं परन्तु बहुत कम ऐसे होते हैं जो पूरे समाज और देश की रक्षा के लिए अपने आपको समर्पित करते है। इसी संदर्भ में पुराण काल से लेकर मुगलों के आक्रमण के दौरान क्षत्रियों ने राष्ट्र की स्वाधीनता, मनुष्यता के धर्म को निभाने के लिए सदा लड़ाइयां लड़ी है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने भी अपनी लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि देश की स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी।

श्री मिश्र ने क्षत्रिय समाज को अपने अतीत के गौरव से प्रेरणा लेते हुए उन बुराइयों से भी निरंतर लड़ने का आह्वान किया जिससे समाज को क्षति पहुंचती है। उन्होंने समाज में फैली नशे की आदतों, अंधविश्वास तथा दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने तथा एक दूसरे के सुख दुख में साथ देने के साथ ही मानव मात्र के कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भारतीय दृष्टि को अपनाते हुए क्षत्रिय समाज को आगे बढ़ने की आवश्यकता जताई।

इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि क्षत्रिय समाज ने देश के गौरवपूर्ण इतिहास के निर्माण का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि समाज को दीर्घकाल तक यदि प्रासंगिक बनाए रखना है तो इतिहास के पुनर्लेखन के लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है।

इस अवसर पर राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि क्षत्रिय समाज नहीं धर्म है। उन्होंने कहा कि देश और समाज के निरन्तर विकास के लिए भी क्षत्रिय समाज ने अभूतपूर्व कार्य किया है।

पूर्व सांसद श्री करणसिंह ने भारतीय संस्कृति के आलोक में क्षत्रिय समाज के गौरव को स्मरण करते पहाड़ी लोगों के अवदान को भी विस्मृत नहीं करने का आग्रह किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष श्री मानवेन्द्र सिंह ने स्वागत उद्बोधन में जातिगत आरक्षण समाप्त कर देश भर में आर्थिक आधार पर आरक्षण की व्यवस्था लागू किए जाने और महापुरुषों की गौरव गाथाओं को पाठ्यपुस्तकों में शामिल किए जाने की मांग की। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की रूपा बा ने भी कार्यक्रम में सम्बोधित किया।

समारोह में पूर्व मंत्री श्री राजपाल सिंह, श्री राव राजेन्द्र सिंह, श्री प्रबल प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

——

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मिश्र ने जारी किए आदेश विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को अतिरिक्त कार्यभार

जयपुर, 21 अगस्त । राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने राज्य के 6 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के कार्यकाल समाप्त होने को देखते हुए नवीन कुलपति नियुक्त होने तक वहां का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के आदेश जारी किए हैं।

राज्यपाल श्री मिश्र द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ सतीश गर्ग को, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो. कन्हैया लाल श्रीवास्तव को, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार कोटा विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह को दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

इसी तरह उन्होंने जगदगुरु रामानंदाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय , जयपुर की कुलपति प्रो.सुधि राजीव को , महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के कुलपति

प्रो. आई वी त्रिवेदी को एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा के कुलपति का अतिरिक्त कार्यभार कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह को दिए जाने के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के अतिरिक्त कार्यभार के यह आदेश राज्य सरकार की सलाह से जारी किए हैं। ——